प्रश्न पत्र – MJY-C402 ✓ अर्जिताधिमार ~~06~~ 05

एम.ए. चतुर्थ–सत्र

(अनिवार्य पत्र)

श्रौतयाग (3) 70+30=100 पूर्णांक

SHRAUTAYAGA-3

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 4x10=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 श्रौतयोगों के ऋत्विक परिचय
खण्ड–2 प्रकृति याग एवं विकृति याग, संख्या एवं परिचय
खण्ड–3 हविर्याग परिचय
खण्ड–4 दर्शयाग
खण्ड–5 पौर्णमासयाग

सन्दर्भग्रन्थ :

1. शतपथ ब्राह्मण काण्ड 1 (सम्पूर्ण), काण्ड–2, अध्याय 1, ब्राह्मण 2–7 तथा अध्याय 2, ब्राह्मण 1–7
2. कात्यायनश्रौतसूत्र अध्याय 2–4
3. इष्टि प्रयोग – डॉ0 रमेशचन्द्रदास शर्मा, मान्यता प्रकाशन, दिल्ली
4. कातीयेष्टि – दीपक, नित्यानन्द पर्वतीय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान
5. इष्टि हेतु – आश्वलायन श्रौतसूत्र, पूर्वषटक 28–15
6. अग्निहोत्र से लेकर अश्वमेधपर्यन्त यज्ञ– पं0 युधिष्ठिर मीमांसक